"कक्षा [illegible] के विद्यार्थियों के [illegible] व्यक्तित्व विशेषताओं का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन"

[illegible] विश्वविद्यालय, भोपाल की शिक्षा में स्नातकोत्तर [illegible] एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2004 - 2005

[illegible]

[illegible] (प्रारंभिक शिक्षा) [illegible]

[illegible] शिक्षा संस्थान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

[illegible]

2004 : 2005

कक्षा छः के विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

D-197

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की शिक्षा में स्नातकोत्तर
एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा) की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत
लघु शोध प्रबंध
(2004–2005)

निर्देशक
डॉ. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल
अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन. सी. ई. आर. टी. भोपाल

शोधकर्ता
स्मिता पुल्लरवार
एम.एड़ (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन. सी. ई. आर. टी. भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स भोपाल (म.प्र.)

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, **कुमारी स्मिता पुल्लरवार**,, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन. सी. ई. आर. टी.), श्यामला हिल्स भोपाल में एम.एड़. (प्रारंभिक शिक्षा) की नियमित छात्रा है इन्होंने बरकतउल्ला विश्वद्यिालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"कक्षा छः के विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है। यह शोध कार्य निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है।

यह लघु शोध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम.एड़. परीक्षा 2004–2005 की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान – भोपाल
दिनांक – 5.5.05

A Grewal
डॉ. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल
अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन. सी. ई. आर. टी.
भोपाल (म.प्र.)

Regional Institute of Education (LIBRARY) Bhopal

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपनी निर्देशक डॉ. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल की मन से कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य को पूर्ण करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं परम आदरणीय प्राचार्य डॉ. श्री मंजीत सेन गुप्ता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ। जिन्होंने अनुकूल वातावरण, सुविधाएं एवं प्रोत्साहन प्रदान कर मेरा कार्य सुगम बनाया।

मैं डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने प्रदत्तों के विश्लेषण में उचित मार्गदर्शन व प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं डॉ. रमेश बाबू, डॉ एस. के. गुप्ता, श्री संजय कुमार पंडागले, डॉ. (सौ.) इंद्राणी भादुडी, डॉ. के.के. खरे, डॉ. मधुलिका पटेल, श्रीमती भारती, डॉ. स्वाती पात्रा, डॉ. खेमराज शर्मा, श्री आनंद वाल्मीकी एवं उन समस्त गुरूजनों की हृदय से आभारी हूँ। जिन्होंने शैक्षिक संगोष्ठी के समय उचित मार्गदर्शन प्रदान कर मेरे शोधकार्य का मार्ग प्रशस्त किया।

मैं पुस्कालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी व समस्त पुस्तकालय परिवार के सहयोग हेतु आभारी हूँ। मैं अपने सभी सहपाठियों, सहयोगियों तथा उन व्यक्तियों का धन्यवाद करती हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य को सम्पन्न करने में सहयोग प्रदान किया है।

अंत में मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों की सदैव ऋणी रहूंगी जिन्होंने शोध कार्य पूर्ण करने में धैयपूर्वक प्रेरणा स्त्रोत एवं आर्थिक स्त्रोत के रूप में सुविधादाता की भूमिका निभायी।

दिनांक – 04/04/05

Smita

शोधकर्ता
स्मिता पुल्लरवार
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन.सी. ई. आर. टी.
भोपाल (म.प्र.)

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

अनुक्रमणिका

प्रमाण पत्र

आभार ज्ञापन

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ क्रमांक
प्रथम	**शोध – परिचय**	1 से 8
1.0	विषय प्रवेश	2
1.1	व्यक्तित्व का अर्थ	3
1.2	शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ	3
1.3	व्यक्तित्व विशेषक का अर्थ	4
1.4	व्यक्तित्व विशेषक का महत्व	4
1.5	व्यक्तित्व तथा शैक्षिक उपलब्धि में संबंध	4
1.6	व्यक्तित्व निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक	5
1.7	शोध की आवश्यकता तथा महत्व	5 से 6
1.8	शोध के उद्देश्य	7
1.9	शोध के चर	7
1.10	शोध की परिकल्पनाएँ	7 से 8
1.11	शीर्षक में प्रयुक्त चरों की व्याख्या	8
1.12	शोध की परिसीमाएँ	8
द्वितीय	**संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन**	9 से 14
2.0	भूमिका	10
2.1	संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन का अर्थ	10
2.1.1	शोध से संबंधित पुराना साहित्य का पुनरावलोकन	11
2.1.2	शोध से संबंधित नवीन साहित्य का पुनरावलोकन	12 से 13
2.2	सारांश	14
तृतीय	**शोध – प्रविधि**	15 से 21
3.0	भूमिका	16
3.1	शोध हेतु न्यादर्श चयन	16
3.2	शोध चर	17
3.3	शोध में प्रयुक्त उपकरण	17 से 18
3.4	प्रदत्त संकलन	18
3.5	उपकरणों का प्रशासन	19
3.6	प्रदत्तों की गणना	20
3.7	प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि	21

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ क्रमांक
चतुर्थ	**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या**	22 से 38
4.0	भूमिका	23
4.1	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	23
	परिकल्पना – 1	23 से 29
	परिकल्पना – 2	30 से 35
	परिकल्पना – 3	35 से 38
पंचम	**शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव**	**39 से 44**
5.0	भूमिका	40
5.1	शोध सारांश	40
5.2	समस्या कथन	40
5.3	शोध उद्देश्य	40 से 41
5.4	शोध चर	41
5.5	शोध परिकल्पनाएँ	41
5.6	शोध कार्य का सीमांकन	41 से 42
5.7	न्यादर्श चयन	42
5.8	शोध में प्रयुक्त उपकरण	42
5.9	प्रयुक्त सांख्यिकी विधि	42
5.10	शोध परिणाम	42 से 43
5.11	सुझाव	43
5.12	भविष्य अध्ययन हेतु सुझाव	44
	संदर्भ ग्रंथ सूची	

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

तालिका सूची

तालिका क्र.	विषय वस्तु	पृष्ठ क्र.
3.2	चयनित शासकीय विद्यालय एवं विद्यार्थियों की संख्या की संख्या को दर्शाने वाली तालिका।	16
3.4	प्रदत्त संकलन	18–19
4.1.1	चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।	24
4.1.2	चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।	25
4.1.3	चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'D' (भाव शून्य बनाम अस्तित्ववान) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।	26
4.1.4	चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।	27
4.1.5	चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।	28
4.1.6	चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'H' (शर्मीला बनाम साहसी) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।	28
4.1.7	चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'O' (आत्मविश्वास बनाम अनात्मविश्वास) तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 'r' की सार्थकता।	29
4.2	छात्र तथा छात्राओं के मध्य चयनित व्यक्तित्व विशेषकों के लिए 'टी' मान।	31
4.3.2	बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण : स्वतंत्र चर व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान) तथा आश्रित चर शैक्षिक उपलब्धि।	36
4.3.3	बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण : स्वतंत्र चर व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान तथा 'D' (भाव शून्य बनाम अस्तित्ववान)	37